अंक योजना - प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2023-24

विषय हिंदी (आधार)

(विषय कोड - 302)

कक्षा- ग्यारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश : यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड 'अ' अपठित गद्यांश		
1.	**(i)** (ख) अपनी प्रतिभा का लाभ किसी और देश में देना	**1**	**10**
	(ii) (क) व्यक्तिगत सुविधाओं की लालसा	**1**	
	(iii) (घ) पढ़ाई-लिखाई पर अत्यधिक खर्च के उपरांत विदेश गमन उचित नहीं	**1**	
	(iv) (ग) उद्यम और प्रतिभा पर बल दिया जाए	**1**	
	(v) (क) शिक्षा द्वारा	**1**	
	(vi) (ख) विकल्प (II) और (III) सही हैं ।	**1**	
	(vii) (क) यहाँ कारोबार के लिए अनुकूल स्थितियाँ न होना	**1**	
	(viii) (ख) देश से प्रतिभाओं के पलायन को रोककर	**1**	
	(ix) (घ) योग्यता और क्षमता के अनुरूप अवसर तलाशना	**1**	
	(x) (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है	**1**	
2.	**(i)** (ख) कर्मवीर मनुष्य को	**1**	**5**
	(ii) (ग) जीवन की विपरीत परिस्थतियों की ओर	**1**	
	(iii) (घ) जो दृढ़ निश्चयी होते हैं।	**1**	
	(iv) (ग) विकल्प (III) और (IV) सही हैं।	**1**	
	(v) (ख) प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जो अडिग रहे।	**1**	
3.	**(i)** (घ) बंगाल गजट (1780)	**1**	**5**
	(ii) (ग) समूह संचार	**1**	
	(iii) (क) संतुलन	**1**	
	(iv) (ग) समाचार एजेंसी	**1**	
	(v) (घ) 1- (iii), 2- (i), 3- (ii)	**1**	

4.			
	(i) (घ) मनुष्य को अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए।	**1**	**5**
	(ii) (क) जड़ और चेतन	**1**	
	(iii) (ख) अक्क महादेवी - शिव	**1**	
	(iv) (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	**1**	
	(v) (घ) प्रेम भरा मनुहार	**1**	
5.	**(i)** (ख) आश्चर्य	**1**	**5**
	(ii) (घ) किसान महाकाव्यों और पुराणों की कथा-कहानियों को पढ़ने के कारण अमेरिका की उन्नति के विषय में समझ पाते थे।	**1**	
	(iii) (घ) 1- (iii), 2- (i), 3- (ii)	**1**	
	(iv) (क) भारतीय जनमानस को उन्नति के लिए प्रेरित करना	**1**	
	(v) (ख) विदेशों में हो रहे परिवर्तन द्वारा भारतीयों को प्रेरणा देना	**1**	
6.	**(i)** (घ) गाने का ऐसा अंदाज़ जो आम आदमी को भी भाव-विभोर कर दे	**1**	**10**
	(ii) (ख) केवल (II)	**1**	
	(iii) (ख) वर्षा के जल को गहरे खारे भूजल में मिलने से रोकती है।	**1**	
	(iv) (ग) जलदलय और चपलता	**1**	
	(v) (ख) कुआँ	**1**	
	(vi) (ग) तसलीमा नसरीन	**1**	
	(vii) (क) कथन(A) सही है, कारण(R) गलत है।	**1**	
	(viii) (घ) कुंई से पानी निकालने के लिए मोटे कपड़े/चमड़े से बनी हुई वस्तु	**1**	
	(ix) (ग) राजनीति में व्याप्त भ्रष्टाचार	**1**	
	(x) (क) शास्त्रीय संगीत में चित्रपट संगीत के सामान रंजकता का न होना	**1**	
	खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)		
7.	विषयवस्तु	**3**	**5**
	प्रस्तुति	**1**	
	भाषा	**1**	
8.	विषयवस्तु	**3**	**5**
	प्रारूप	**1**	
	भाषा	**1**	

9.	**(क)** डायरी जीवन का अंतरंग साक्षात्कार है। इसे लिखते हुए निम्नलिखित तथ्यों की ओर ध्यान देना आवश्यक है - ▪ जिस डायरी में पहले से तिथि अंकित हो उसके प्रयोग से बचना चाहिए। ▪ नोटबुक या संभव हो तो पिछले वर्ष की डायरी का प्रयोग करना चाहिए। ▪ यथासंभव सभी तरह के बाहरी दबावों से मुक्त होना चाहिए। ▪ डायरी की भाषा-शैली सरल एवं स्वाभाविक होनी चाहिए। ▪ डायरी में दिनभर की मुख्य घटनाओं या गतिविधियों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। **(ख)** **पटकथा के लिए संभावित स्रोत:-** ▪ हमारे स्वयं के साथ या आसपास घटी कोई घटना ▪ अखबार में छपा कोई समाचार ▪ इतिहास में वर्णित कोई चर्चित व्यक्तित्व ▪ समाज में प्रचलित कोई सच्चा किस्सा ▪ हमारी कल्पना शक्ति से उपजी कोई कहानी ▪ साहित्य की कोई चर्चित रचना। यथा- देवदास। **(ग)** ▪ **नाटक और फ़िल्म की पटकथा में कुछ मूलभूत अंतर -** ▪ नाटक के दृश्य अधिक लंबे, जबकि फ़िल्म के दृश्य छोटे होते हैं। ▪ नाटक में सीमित घटनास्थल होते हैं, जबकि फ़िल्म में उसकी कोई सीमा नहीं होती। ▪ नाटक एक सजीव कला है, जबकि फ़िल्म में पूर्व रिकॉर्डेड छवियाँ एवं ध्वनियाँ होती हैं। ▪ नाटक में कार्य-व्यापार, दृश्य एवं चित्रों की संख्या सीमित होती है, जबकि फ़िल्म में उसका कोई बंधन नहीं होता। ▪ नाटक की कथा का विकास एक-रेखीय होता है, जबकि सिनेमा में फ़्लैशबैक या फ़्लैश फ़ॉरवर्ड तकनीक का प्रयोग या किसी अन्य प्रकार से कथा का विकास होता है।	**2+2**	**4**
10.	**स्ववृत्त बनाते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश -** ▪ स्ववृत्त में वही सूचनाएँ दी जानी चाहिएँ जिसमें नियोक्ता की दिलचस्पी हो। ▪ समस्त जानकारी ईमानदारीपूर्वक दी जानी चाहिए। ▪ झूठे दावे या अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। ▪ अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और अनुभव के सफल पक्षों पर बल देना चाहिए। ▪ भाषा-शैली सरल, सटीक एवं स्पष्ट होनी चाहिए।	**3**	**3**

	▪ आलंकारिक भाषा से बचना चाहिए। ▪ स्ववृत्त न तो आवश्यकता से अधिक लंबा और न ही छोटा होना चाहिए। ▪ स्ववृत्त टंकित या कंप्यूटर-मुद्रित होना चाहिए। **अथवा** **संदर्भ-ग्रंथ से तात्पर्य -** जिस प्रकार शब्दकोश में शब्दों के अर्थ दिए होते हैं उसी प्रकार संदर्भ-ग्रंथों में मानव द्वारा संचित ज्ञान को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया जाता है। **संदर्भ-ग्रंथों के प्रकार -** संदर्भ-ग्रंथों का सबसे विशद रूप विशद ज्ञानकोष है। साहित्य कोश - साहित्यिक विषयों से संबंधित जानकारियाँ संकलित चरित्र कोश - साहित्य, संस्कृति, विज्ञान आदि क्षेत्रों के महान व्यक्तियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित जानकारियाँ संकलित		
11.	**(क)** • समाज में पढ़े-लिखे लोगों की छवि न होना • वे पढ़-लिखकर असत्य बोलते हैं • उनमें छल-प्रपंच की भावना होती है • इनके द्वारा दूसरों का शोषण किया जाना **(ख)** • श्रावण मास में परिवार के सभी सदस्यों को याद करते हुए माता-पिता के व्यक्तित्व का वर्णन • कवि के जीवन में दोनों ही महत्वपूर्ण • पिता का महिमामय व्यक्तित्व तथा माँ का स्नेहिल व्यक्तित्व • आपत्ति के समय पिता को सहारा प्रदान करने वाली माँ **(ग)** • प्रस्तुत कविता देशवासियों के तटस्थ हो जाने की प्रक्रिया पर व्यंग्य करती हुई प्रश्न चिह्न लगाती है। • प्रतिकूल परिस्थितियों को सहन करते रहना। • जड़ स्थितियों को बदलने का प्रयास न करना। • सुखद भविष्य की कल्पना न करना।	**3+3**	**6**

12.	**(क)** • कबीर ने कुम्हार और ईश्वर को एक समान माना है। • कुम्हार एक ही तरह की मिट्टी से भिन्न-भिन्न प्रकार के पात्र बनाता है। • ईश्वर भी सभी मनुष्यों को एक ही प्रकार के पंच तत्वों से स्वरूप निर्मित करता है। • कुम्हार और ईश्वर दोनों ही अपने द्वारा निर्मित रचनाओं में भेदभाव नहीं करते। **(ख)** • स्वतंत्रता के पश्चात देश में अपेक्षित विकास न होना। • सर्वसाधारण को मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध न होना। • रक्षक का ही भक्षक बन जाना। • व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रबल आग्रह। • जनमानस को संघर्ष के लिए प्रेरित करना **(ग)** • संथाली समाज में आई हुई विसंगतियों का वर्णन • विसंगतियों के बीच जीवन की गर्माहट और उम्मीद • सपनों का शेष रहना • थोड़े से विश्वास और उम्मीद से बहुत कुछ बचाने की आशा	**2+2**	**4**
13.	**(क)** • पत्रकारों द्वारा प्रत्येक पक्ष को सामने लाने के लिए छानबीन करना। • अव्यावहारिक प्रश्न करना। • चटपटी खबर प्राप्त करने के लिए किसी भी जगह पहुँच जाना। • लोकप्रियता के लिए किसी के मान-सम्मान की भी परवाह न करना। **(ख)** • सरकारी अधिकारियों द्वारा किसी व्यक्ति की सहायता की अपेक्षा संवेदनहीन बनकर कागज़ी कार्यवाही में लगे रहना। • सरकारी अधिकारियों द्वारा काम टालने की प्रवृत्ति को उजागर करना। • सरकारी अधिकारियों की अकर्मण्यता को दर्शाना। • संवेदनहीनता के कारण किसी के दुख-दर्द को न पहचान कर आत्मीयता का मात्र दिखावा करना। **(ग)** • बालमुकुंद गुप्त जी का भारत के प्रथम वायसराय लॉर्ड कर्ज़न पर व्यंग्य। • भारतवर्ष में उनका सम्मान अन्य शासकों की अपेक्षा अधिक होना। • लॉर्ड कर्ज़न द्वारा भारत के उत्थान की अपेक्षा जनता का शोषण किया जाना।	**3+3**	**6**

	• शोषण की नीति के परिणामस्वरूप और शक्ति प्रदर्शन में विफल होने के कारण लॉर्ड कर्जन को पद से हटाया जाना		
14.	**(क)** • प्राकृतिक दृश्यों के लिए मौसम पर निर्भरता • स्थानीय लोगों का असहयोग और हस्तक्षेप • कलाकारों के स्वास्थ्य, मृत्यु आदि की समस्या • पशु-पात्रों के दृश्यों की समस्या • बाहरी दृश्यों हेतु उचित स्थान का चयन की समस्या **(ख)** • जातीय अभिमान बेमानी होते हैं। • परिश्रम और लगन से अपने लक्ष्य को साधा जा सकता है। • अपनी योग्यता और कुशलता को पुरुषार्थ द्वारा निखारा जा सकता है । • पुरुषार्थ रूपी अग्नि में तपकर व्यक्ति असंभव को संभव बना सकता है एवं नए आयाम को प्राप्त कर सकता है। **(ग)** • पाठ के माध्यम से शिक्षा की समस्या को उठाना। • शिक्षा का व्यावसायीकरण होना। • अध्यापकों का पैसा कमाने के लिए ट्यूशन लेना और छात्रों को विवश करना। • अभिभावकों का भी इसी व्यवस्था का अंग होना। • शिक्षकों को अपनी गरिमा और कर्तव्य याद करने की आवश्यकता। • अभिभावकों से शिक्षकों का सम्मान और सहयोग की अपेक्षा।	**2+2**	**4**
15.	▪ जल संकट अथवा जल की कमी ▪ वर्षा के जल का संरक्षण करके ▪ नदियों पर बाँध बनाकर ▪ जल के सदुपयोग द्वारा ▪ जल प्रदूषण की रोकथाम द्वारा ▪ अधिकाधिक पेड़ लगाकर एवं वन संरक्षण द्वारा **अथवा** ▪ पति के बिना अकेले बच्चों के साथ रहने के कारण आस-पड़ोस के ताने सुनना। ▪ काम की तलाश में भटकना और तातुश के घर काम करना।	**3**	**3**

	▪ रहने के लिए किराए के घर की व्यवस्था करना व मकान-मालिक के द्वारा दुर्व्यवहार किया जाना। ▪ तातुश के घर रहते हुए पुस्तकों के प्रति रूचि दिखाना। ▪ रात-भर पढ़ने-लिखने का अभ्यास करना। ▪ तातुश और उनके बंधुओं के द्वारा प्रोत्साहित किए जाने पर बंगला साहित्य की पुस्तकें पढ़ना और लेखन-कार्य करना।		